दो पैसे के सिक्के का दुरुपयोग

*1270. श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री रामावतार शर्मा :
श्री शिवकुमार शास्त्री :
श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :
श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :
श्री नरदेव स्नातक :
डा० सूर्य प्रकाश पुरी :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को पता है कि देश में दो पैसे के सिक्कों का उपयोग टांका लगाने के लिये किया जा रहा है ;

(ख) क्या इस सम्बन्ध में कोई जांच की गई है ;

(ग) यदि हां, तो उस का क्या परिणाम निकला तथा सम्बद्ध व्यक्तियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ; और

(घ) इस दुरुपयोग को रोकने के लिये क्या सरकार का विचार इस सिक्के को बदलने का ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कृष्ण चन्द्र पन्त) : (क) सरकार को अभी तक ऐसी कोई सूचना नहीं मिली है । लेकिन यह उल्लेखनीय है कि टांका लगाने के लिए, आम तौर पर कम गरमी से पिघलने वाली मिश्र धातुओं का इस्तेमाल किया जाता है, जब कि उन मिश्र धातुओं को पिघलाने के लिए ज्यादा गरमी की ज़रूरत पड़ती है जिनसे ये सिक्के, जो इस समय चल रहे हैं, बनाये जाते हैं ।

(ख) से (घ). ये सवाल पैदा ही नही होते ।

Investment in Shares

*1271. **Shri S. S. Kothari:**
Shri P. N. Solanki:
Shri Brij Raj Singh:
Shri S. K. Tapuriah:
Shri K. K. Nayar:
Shri Bharat Singh Chauhan:

Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that investors in shares have suffered considerable losses over the last few years;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) the steps which Government are taking to remedy the situation?

The Minister of State in the Ministry of Finance (Shri K. C. Pant): (a) Due to the general decline in equity share prices in the market since mid-May 1962, some investors might have suffered losses. However, the overall gains in the price rise during the boom period of 1958—61 have not been wholly erased; compared with the level of prices in the year immediately preceding the boom period, viz., 1957-58, the prices in the year 1966-67 were higher by 21.7 per cent.

(b) The declining trend since May 1962 following the worsening foreign exchange situation was aggravated by two successive conflicts on Indian borders and the resultant strain on the economy.

(c) Government is keeping a continual watch over the trends of share prices and has been taking steps to improve the investment climate.

Delhi Municipal Corporation

*1272. **Shri P. L. Barupal:**
Shri Hukam Chand Kachwai:
Shri Jyotirmoy Basu:
Shri Buta Singh:
Shri Sradhakar Supakar:
Shri Kartik Oraon:
Shri Shankaranand: